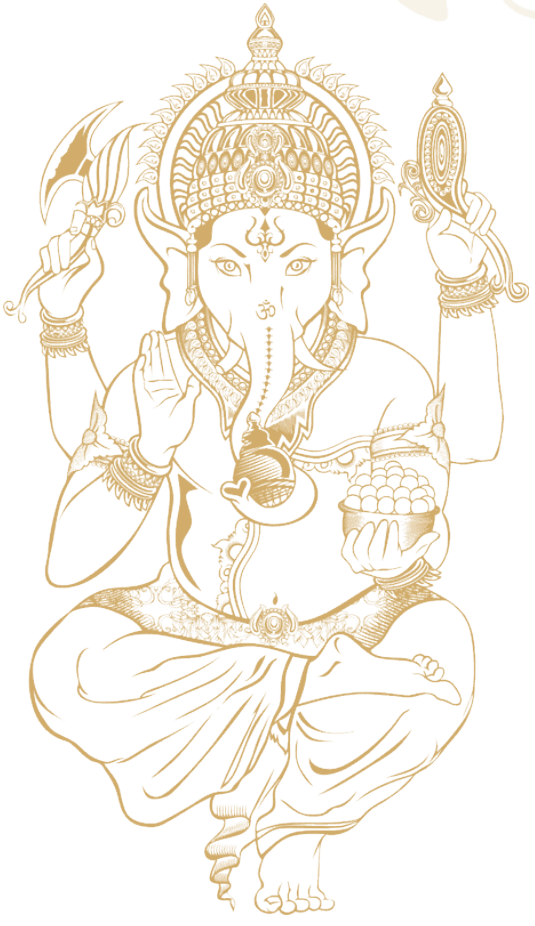

Mahima

09 Mar 2000

12:25 PM

Tesgaon

Model: web-freekundliweb

Order No: 121125002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/03/2000**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**12:25:00 घंटे**
इष्ट	14:11:42 घटी
स्थान	**Tesgaon**
देश	India

अक्षांश	17:02:00 उत्तर
रेखांश	74:36:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:53:24 घंटे
वेलान्तर	-00:10:30 घंटे
साम्पातिक काल	23:02:30 घंटे
सूर्योदय	06:44:19 घंटे
सूर्यास्त	18:40:06 घंटे
दिनमान	11:55:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	25:09:23 कुम्भ
लग्न के अंश	29:54:05 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ब्रह्म
करण	वणिज
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चू-चूड़ामणि
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	29:54:05	337:06:07	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
सूर्य			कुंभ	25:09:23	00:59:59	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	03:13:25	13:44:12	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	सूर्य	सम राशि
मंगल			मीन	25:56:51	00:44:45	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मित्र राशि
बुध	व		कुंभ	10:34:48	00:35:58	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
गुरु			मेष	10:26:32	00:12:07	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र			कुंभ	00:57:38	01:14:09	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मित्र राशि
शनि			मेष	19:16:34	00:05:33	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	08:49:22	00:07:31	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	08:49:22	00:07:31	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	24:44:17	00:03:07	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
नेप			मक	11:46:05	00:01:47	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
प्लूटो			वृश्चि	19:02:08	00:00:13	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	20:31:56	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:20

लग्न-चलित

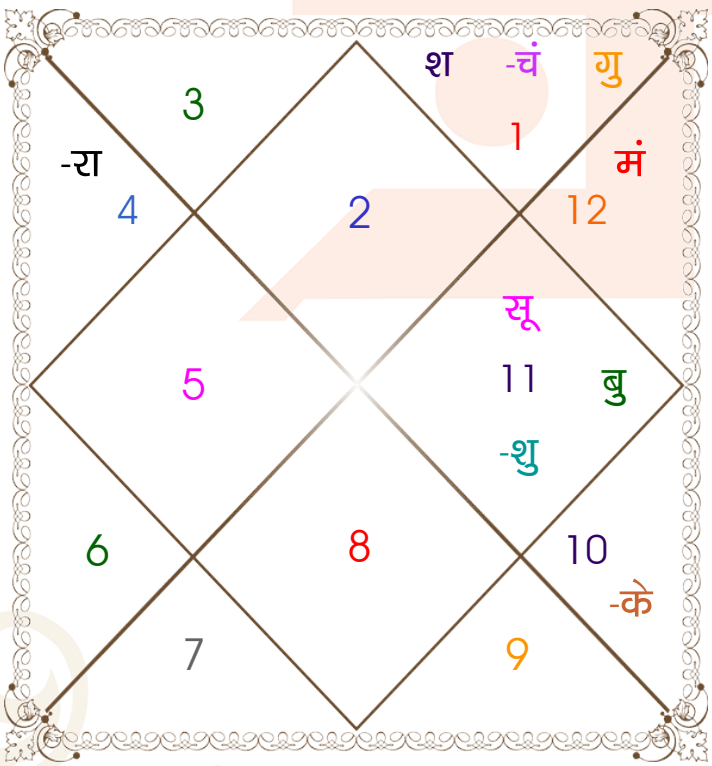

चन्द्र कुंडली

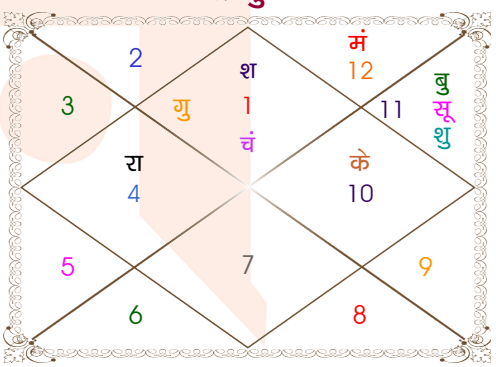

नवमांश कुंडली

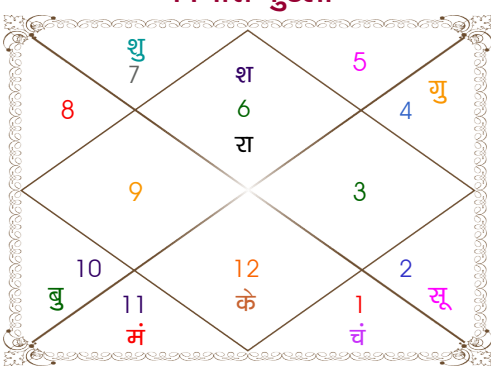

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 3 मास 21 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
09/03/2000		30/06/2005		30/06/2025		30/06/2031		30/06/2041	
30/06/2005		30/06/2025		30/06/2031		30/06/2041		29/06/2048	
	00/00/0000	शुक्र	29/10/2008	सूर्य	17/10/2025	चंद्र	30/04/2032	मंगल	26/11/2041
	09/03/2000	सूर्य	29/10/2009	चंद्र	18/04/2026	मंगल	29/11/2032	राहु	14/12/2042
सूर्य	02/06/2000	चंद्र	30/06/2011	मंगल	24/08/2026	राहु	30/05/2034	गुरु	20/11/2043
चंद्र	01/01/2001	मंगल	29/08/2012	राहु	18/07/2027	गुरु	29/09/2035	शनि	29/12/2044
मंगल	30/05/2001	राहु	30/08/2015	गुरु	06/05/2028	शनि	30/04/2037	बुध	26/12/2045
राहु	18/06/2002	गुरु	30/04/2018	शनि	18/04/2029	बुध	29/09/2038	केतु	24/05/2046
गुरु	25/05/2003	शनि	30/06/2021	बुध	22/02/2030	केतु	30/04/2039	शुक्र	24/07/2047
शनि	02/07/2004	बुध	30/04/2024	केतु	30/06/2030	शुक्र	29/12/2040	सूर्य	29/11/2047
बुध	30/06/2005	केतु	30/06/2025	शुक्र	30/06/2031	सूर्य	30/06/2041	चंद्र	29/06/2048

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
29/06/2048		30/06/2066		30/06/2082		01/07/2101		01/07/2118	
30/06/2066		30/06/2082		01/07/2101		01/07/2118		00/00/0000	
राहु	13/03/2051	गुरु	17/08/2068	शनि	03/07/2085	बुध	27/11/2103	केतु	27/11/2118
गुरु	05/08/2053	शनि	28/02/2071	बुध	12/03/2088	केतु	23/11/2104	शुक्र	27/01/2120
शनि	11/06/2056	बुध	05/06/2073	केतु	21/04/2089	शुक्र	24/09/2107	सूर्य	10/03/2120
बुध	30/12/2058	केतु	12/05/2074	शुक्र	20/06/2092	सूर्य	31/07/2108		00/00/0000
केतु	17/01/2060	शुक्र	10/01/2077	सूर्य	02/06/2093	चंद्र	30/12/2109		00/00/0000
शुक्र	17/01/2063	सूर्य	29/10/2077	चंद्र	02/01/2095	मंगल	27/12/2110		00/00/0000
सूर्य	11/12/2063	चंद्र	28/02/2079	मंगल	10/02/2096	राहु	16/07/2113		00/00/0000
चंद्र	11/06/2065	मंगल	04/02/2080	राहु	17/12/2098	गुरु	22/10/2115		00/00/0000
मंगल	30/06/2066	राहु	30/06/2082	गुरु	01/07/2101	शनि	01/07/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 3 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।